AMAR UJALA, Delhi, 5.2.2024
Page No. 10, Size:(8.85)cms X (9.90)cms.

गेल और एडीएनओसी गैस ने किया एलएनजी अनुबंध

नई दिल्ली। गेल (इंडिया) लिमिटेड ने एडीएनओसी गैस से लगभग 0.5 एमएमटीपीए एलएनजी की खरीद के लिए एक दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। यह गेल और अबूधाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) पीजेएससी के बीच दिनांक 30 अक्तूबर 2022 के एक समझौता ज्ञापन के अनुसार है। गेल (इंडिया) लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक संदीप कुमार गुप्ता ने इस दीर्घकालिक एलएनजी सौदे पर कहा कि गेल द्वारा एडीएनओसी के साथ यह दीर्घकालिक एलएनजी सौदा भारत की प्राकृतिक गैस की मांग और आपूर्ति में अंतर को पाटने में योगदान देगा ।

AMAR UJALA, Delhi, 5.2.2024
Page No. 10, Size:(8.89)cms X (8.15)cms.

गेल पीएटी को नौ माह में 42 फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली। गेल (इंडिया) लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2022-23 की अवधि में अर्जित परिचालन राजस्व 1,11,443 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही तक 98,304 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व अर्जित किया है। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही तक कर पूर्व लाभ (पीबीटी) 8,713 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 5,993 करोड़ रुपये की तुलना में 45% अधिक है। कंपनी का मानना है, मुख्य रूप से उच्च गैस ट्रेडिंग मार्जिन, ट्रांसमिशन वॉल्यूम में वृद्धि और ट्रांसमिशन टैरिफ में वृद्धि के कारण ऐसा संभव हो पाया है।

JANSATTA, Delhi, 5.2.2024
Page No. 12, Size:(14.31)cms X (6.43)cms.

चालू वित्त वर्ष की तुलना में 68 फीसद अधिक | 2024-25 | ओएनजीसी ने वित्त वर्ष में 30,800 करोड़ के पूंजीगत खर्च की योजना बनाई

पेट्रोलियम कंपनियां करेंगी 1.2 लाख करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, 4 फरवरी (भाषा)।

आयल एंड नैचुरल गैस कारपोरेशन (ओएनजीसी) और इंडियन आयल कारपोरेशन (आइओसी) सहित सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां अप्रैल से शुरू होने वाले नए वित्त वर्ष में करीब 1.2 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेंगी। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां मुख्य रूप से तेल और गैस खोज, रिफाइनरी, पेट्रोरसायन और पाइपलाइन कारोबार में यह निवेश करेंगी, जिससे देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

बजट दस्तावेज 2024-25 के अनुसार, 2024-25 में प्रस्तावित निवेश 31 मार्च को समाप्त होने वाले चालू वित्त की तुलना में लगभग पांच फीसद अधिक होगा। 2023-24 में पेट्रोलियम कंपनियों का निवेश 1.12 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। ओएनजीसी ने अगले वित्त वर्ष में 30,800 करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च की योजना बनाई है। कंपनी यह निवेश तेल और गैस के नए भंडार खोजने और पहले की गई खोजों को उत्पादन में लाने पर करेगी। यह 2023-24 के 30,500 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय से थोड़ा अधिक है। कंपनी देश के पूर्वी और पश्चिमी दोनों तटों पर खोजों का विकास कर रही है।

इसी तरह ओएनजीसी की विदेशी इकाई ओएनजीसी विदेश लि. (ओवीएल) 2024-25 में 5,580 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। यह चालू वित्त वर्ष की तुलना में 68 फीसद अधिक है। देश की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी कंपनी इंडियन आयल कारपोरेशन (आइओसी) 30,910 करोड़ रुपए के निवेश परिव्यय के साथ सबसे अधिक खर्च करने वाली कंपनी होगी। आइओसी यह निवेश मुख्य रूप से विस्तार और ईंधन का उत्पादन करने वाली अपनी सात रिफाइनरियों के उन्नयन पर होगा। इस राशि में से 3,299 करोड़ रुपए कंपनी पेट्रोरसायन कारोबार पर और 236.48 करोड़ रुपए छोटे तेल और गैस खोज पोर्टफोलियो पर खर्च करेगी।

हालांकि, आइओसी का निवेश 2023-24 के खर्च 31,254 करोड़ रुपए से कुछ कम है। भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने 2024-25 में 30 फीसद अधिक यानी 13,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय का प्रस्ताव किया है। इसमें से दो-तिहाई खर्च कंपनी अपने मुख्य रिफाइनरी कारोबार पर करेगी। गैस कंपनी गेल इंडिया लिमिटेड का नियोजित निवेश 2024-25 में घटकर 8,000 करोड़ रुपए से कुछ अधिक रहने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का निवेश 9,750 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। कंपनी का निवेश घटने की मुख्य वजह यह है कि इसकी ज्यादातर पाइपलाइन ग्रिड विस्तार परियोजनाएं पूरी होने वाली हैं।

ओएनजीसी की अनुषंगी कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) वित्त वर्ष 2024-25 में 12,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी, जो पिछले वित्त वर्ष के 12,000 करोड़ रुपये के आंकड़े से कुछ अधिक है। देश की दूसरी सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी आयल इंडिया लिमिटेड (ओआइएल) चालू वित्त वर्ष के 5,648 करोड़ रुपए की तुलना में अगले साल 6,880 करोड़ रुपए का निवेश करेगी।

ASIAN AGE, Delhi, 5.2.2024
Page No. 7, Size:(9.37)cms X (7.54)cms.

ONGC to spend over ₹30,000 crore on capital expenditure

PSU oil companies to invest ₹1.2 L-cr in FY25

FC CORRESPONDENT
NEW DELHI, FEB. 4

State-owned oil & gas majors, including Oil and Natural Gas Corporation (ONGC), Indian Oil Corporation (IOC) will invest about ₹1.2 lakh crore in the coming fiscal starting April 1 in oil and gas exploration, refineries, petrochemicals and laying pipelines to meet the needs of the world's fastest-growing energy consuming nation.

However, the investment proposed in 2024-25 is 5 per cent higher than ₹1.12 lakh crore spent by the state-owned oil firms in the current fiscal year that ends on March 31, according to Budget 2024-25 documents.

● THE COUNTRY'S top oil refiner, IOC will be the top spender with an investment outlay of ₹30,910 cr, with the bulk of it in expansion and upgrade of its seven refineries.

ONGC has a planned capital spending of ₹30,800 crore in the next financial year. In finding new reserves of oil and gas and bringing to production discoveries the company has already made, this expenditure is slightly higher than ₹30,500 crore capex in 2023-24 fiscal (April 2023 to March 2024). It is also developing discoveries on both east and west coasts of the country. However, the top oil producer's overseas arm, ONGC Videsh Ltd (OVL) will also invest 68 per cent more at ₹5,580 crore in 2024-25 in oil and gas operations abroad when compared with the previous fiscal.

Similarly, the country's top oil refiner, IOC will be the top spender with an investment outlay of ₹30,910 crore, with the bulk of it in expansion and upgrade of its seven refineries that produce fuel. This outlay also includes ₹3,299 crore in the petrochemical business and another ₹236.48 crore in the small oil and gas exploration portfolio it has. The investment planned by IOC is less than ₹31,254 crore spending in the current 2023-24 fiscal.

Besides, Bharat Petroleum Corp Ltd (BPCL) has proposed a 30 per cent higher capital spending at ₹13,000 crore, two-thirds of which will be in its core refining business. Also, gas utility GAIL India Ltd will see its planned investment decline to over ₹8,000 crore in 2024-25 from ₹9,750 crore in the previous fiscal as most of its pipeline grid expansion projects are nearing completion.

BUSINESS LINE, Delhi, 5.2.2024
Page No. 2, Size:(15.95)cms X (11.43)cms.

With refiners avoiding Red Sea, diesel exports slip 45% in January

A BIG FALL. India shipped around 302,000 b/d last month, compared to 551,000 b/d in Dec 2023: Kpler

Rishi Ranjan Kala
New Delhi

Diesel exports slipped to a multi-year low in January 2024, after registering a 17-month high in December 2023, with more transporters and refiners, including Reliance Industries (RIL), avoiding the Red Sea.

According to energy intelligence firm Kpler, India shipped around 302,000 barrels per day (b/d) of diesel last month, compared to almost 551,000 b/d in December 2023, a decline of more than 45 per cent.

Kpler data show that clean petroleum product (CPP) exports from India to the US fell to 47,226 b/d in January 2024 from 85,620 b/d in December 2023. Similarly, cumulative shipments to the UK and nine countries, including France, the Netherlands, and Spain, fell to 1,52,010 b/d from 4,25,193 b/d. Analysts and trade sources point out that since January 12 — when the US and the UK carried air strikes on Houthi rebel positions along the Red Sea — more refiners are avoiding Bab-el-Mandeb, which connects the Red Sea to the Gulf of Aden and accounts for 12 per cent of seaborne crude oil and 8 per cent of LNG trade. The Cape of Good Hope (COGH) is fast emerging as the preferred route.

BUYERS AT SEA. Shippers are passing on the elevated risk insurance premium for vessels transiting via the Red Sea to buyers

REFINERS CAUTIOUS

The US EIA said in a February 1 report that "Major oil and natural gas companies that are avoiding the Red Sea include Equinor, which operates mostly natural gas carriers, and BP, which operates both oil and natural gas carriers.

As of January 23, 2024, other major energy companies pausing Red Sea transits include Euronav, QatarEnergy, Torm, Shell, and Reliance."

S&P Global Commodity Insights said in a January 16 report that "S&P Global Commodities at Sea data showed that Indian refiner Reliance, a key diesel and gasoil supplier to Europe, had loaded no product for export to the continent in the first two weeks of January."

Vortexa's Head of APAC Analysis, Serena Huang, told *businessline*, "Several tankers that loaded from India and headed for Europe and the US are transiting via the COGH instead of the Suez Canal."

Vortexa data show that 12 vessels carrying refined products to the US and Europe are using the COGH.

FREIGHT DYNAMICS

The US EIA said vessels avoiding the Suez Canal can go around southern Africa via the COGH. A typical voyage from the Persian Gulf to the Amsterdam-Rotterdam-Antwerp petroleum trading hub (ARA) via the Suez Canal takes 19 days, which increases to nearly 35 days sailing through the COGH.

CPP flows through the Bab el-Mandeb Strait were 30 per cent lower in December than the rest of 2023. A majority of petroleum product trade leaves Saudi Arabia and India bound for Europe and leaves Russia bound for Asia, it added.

A trade source said that shippers are passing on the elevated risk insurance premium for vessels transiting via the Red Sea to buyers.

PUNJAB KESARI, Delhi, 5.2.2024
Page No. 5, Size:(24.42)cms X (17.94)cms.

इंडिया एनर्जी वीक में 80 से अधिक सम्मेलनों का होगा आयोजन

● हरदीप सिंह पुरी कार्यक्रम में कई सम्मेलनों में लेंगे भाग, 35000 से अधिक लोग होंगे उपस्थित

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : इंडिया एनर्जी वीक, 2024 का आयोजन गोवा में होने वाला है। इसमें 35,000 से अधिक उपस्थित लोगों, 350 से अधिक प्रदर्शकों, 80 से अधिक सम्मेलन सत्रों में फैले 400 से अधिक वक्ताओं और 120 से अधिक देशों के 4,000 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होंगे। वैश्विक ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र में भारत के बढ़ते वैश्विक कद के साथ आईईडब्ल्यू 2024 अपने उद्घाटन संस्करण की तुलना में और भी अधिक भव्य, विविध और प्रभावशाली होने की ओर अग्रसर है। जिसकी शोभा पिछले साल बेंगलुरु में प्रधानमंत्री मोदी ने की थी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि "केवल दो वर्षों में, भारत ऊर्जा सप्ताह वैश्विक ऊर्जा कैलेंडर का एक प्रमुख हिस्सा बन गया है। सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था, बढ़ते उपभोक्ता आधार और आकर्षक निवेश माहौल के साथ, हमने ऊर्जा परिदृश्य में एक जगह बनाई है।

हरदीप सिंह पुरी

लगातार बदलते वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भारत की भूमिका के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण ने 2023 में एक शानदार सफल आयोजन की नींव रखी, जहां भारत ने ऊर्जा संक्रमण के लिए एक वैश्विक शक्ति के रूप में अपना प्रभुत्व जताया। ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र की वैश्विक सभा को 6-9 फरवरी के बीच आईपीएसएचईएम-ओएनजीसी प्रशिक्षण संस्थान में गतिशील और जीवंत तटीय राज्य गोवा में एक आदर्श मेजबान मिलेगा। वास्तव में वैश्विक आयोजन का उदाहरण दुनिया भर के शीर्ष ऊर्जा क्षेत्र के नीति निर्माताओं की उपस्थिति से होगा। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी इस कार्यक्रम में कई सम्मेलनों में भाग लेंगे। भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम (एफआईपीआई) उद्योग द्वारा आयोजित, भारत ऊर्जा सप्ताह, 2024 उद्योग विशेषज्ञों के बीच सार्थक चर्चा, ज्ञान के आदान-प्रदान और सहयोग के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा। नीति निर्माता, शिक्षाविद और उद्यमी। भारत को ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा परिवर्तन सुनिश्चित करने की चुनौतियों का एक साथ जवाब देने में उल्लेखनीय सफलता मिली है। आईईडब्ल्यू दुनिया को अपने नागरिकों के लिए सुलभ, सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा सुनिश्चित करने के लिए अस्थिरता की स्थिति में भारत के गतिशील निर्णय लेने से सीखने का अवसर प्रदान करता है।